माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

2019 24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
Hindi (General)	0 5 1	English

स्टीकर तीर के निशान

[redacted]

माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल

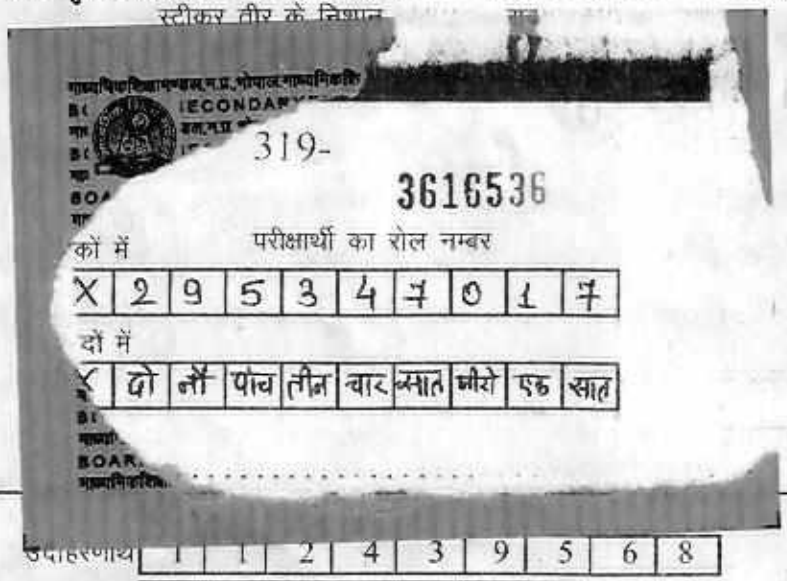

SECONDARY

319-

3616536

अंकों में — परीक्षार्थी का रोल नम्बर

X	2	9	5	3	4	7	0	1	7

शब्दों में

X	दो	नौ	पांच	तीन	चार	सात	जीरो	एक	सात

BOARD

माध्यमिक शिक्षा

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✗ शब्दों में ✗

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 02

ग :– परीक्षा का दिनांक 09 03 2019

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

केन्द्र क्रमांक 532142

हायर सेकेण्डरी परीक्षा

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Pooja Verma Puja	M. Khandelwal

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नही पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
R. L. Tiwari (V.A.) V. No. 2083	Dinesh Agrawal (Adhyapak) G.Ex.Hr.Sec.Sch.Haryawali V. No. 6263 Mob 9098216905

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों ... करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		

de'Smal.

अंकों में

2 [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ के अंक कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - (1)

(i) अवधी

(ii) 1888

(iii) रहीम

(iv) नवीनतम

मॉन्टेन

प्रश्न क्र. - (2)

(i) (अ) दृढ़ता से जम जाना

(ii) (अ) कारक सम्बन्धी

(iii) (ब) एकांकी

(iv) (स) 8

(v) (स) भूषण

प्रश्न क्र. - (3)

(i) सत्य

(3) [ ] + [ ] = [ ]
योग पूर्व पृष्ठ अंक कुल अंक

प्रश्न क्र. (ii) असत्य

(iii) सत्य

(iv) सत्य

(v) असत्य

प्रश्न क्र. - (4)

(i) गोपाल सिंह 'नेपाली'

(ii) निबन्ध

(iii) फणीश्वरनाथ 'रेणु'

(iv) लोकोक्ति

(v) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

प्रश्न क्र. - (5)

(i) Anaesthesia (एनेस्थिसिया)

(ii) कनक के समान लता

(iii) आँचलिक

प्रश्न क्र.
III(iv) करुण रस से पूर्ण काव्य

(v) राष्ट्रीय नवजागरण का गुण

प्रश्न क्र. - 6

उ. नारायण वो है जो जल में वास करता है। अत्यधिक वर्षा होने के कारण लेखक के घर में भी पानी भराने लगा ~~गया भरने~~ लगा था। लेखक को ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वे नर से नारायण बन गए है क्योंकि नारायण की भाँति उन्हें भी जल में निवास करना पड़ रहा था। इस परिस्थिति के कारण ही लेखक ने स्वयं को नारायण कहा है।

B
S

प्रश्न क्र. - 7

उ. रविन्द्रनाथ टैगोर सौन्दर्यशास्त्र पर पुस्तक रहे थे परन्तु उन्हें यह समझ नहीं आ रहा था कि "सौन्दर्य क्या है?" उन्हें सौन्दर्य की अनुभूति नहीं हुई थी, जिससे कि वे सही सौन्दर्य का अर्थ नहीं समझ पा रहे थे। अतः वे यह जानने के लिए उत्सुक थे कि "सौन्दर्य क्या है?"

योग पूर्व पृष्ठ + = कुल

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. – (8)

उ. द्विवेदी युग की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं –

1. इस युग के निबंधों में की भाषा व्याकरण सम्मत है तथा इसमें एक प्रकार की कसावट है।

2. इस युग में शिल्पगत शैलियों का विकास हुआ था जिससे इस युग के निबंधों में ~~प्रभाव~~ प्रभावशाली शैली का प्रयोग हुआ है।

प्रश्न क्र. – (9) अथवा

उ. हिन्दी निबंधों का विकास मुख्यतः चार चरणों में हुआ है, जो इस प्रकार है –

1. भारतेन्दु युग (1850ई.– 1900ई.)
2. द्विवेदी युग (1900ई. – 1920ई.)
3. शुक्ल युग (1920ई. – 1940ई.)
4. शुक्लोत्तर युग (1940ई. – अब तक)

1. भारतेन्दु युग – इस युग का नामकरण भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाम से हुआ।

2. द्विवेदी युग – इस युग का नाम महावीर प्रसाद द्विवेदी के नाम पर रखा गया।

प्रश्न क्र.
3. शुक्ल युग – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल इस युग के जन्मदाता थे।

4. शुक्लोत्तर युग – शुक्ल युग के बाद आने पर इसे युग को शुक्लोत्तर युग कहा जाता है।

प्रश्न क्र. – (10) अथवा

उ. संक्षेपण किसी समग्र भाव से पूर्ण अवतरण का पुनः सर्जन है। संक्षेपण में मूल अवतरण की सभी आवश्यक बातों को पुनः प्रस्तुत किया जाता है। इसे क्रमबद्धता अनिवार्य है। संक्षेपण का अर्थ 'गागर में सागर भरना' भी है।

विशेषता –
यह मूल अवतरण का $1/3$ होता है तथा इसमें किसी प्रकार की टीका-टिप्पणी नहीं की जाती।

प्रश्न क्र. – (11)

उ. जब किसी एक शब्द के एक से ज्यादा अर्थ हो तो उसे अनेकार्थी शब्द कहते हैं।

उदाहरण –

प्रश्न क्र.
अंक - गोद, गिनती
वाक्य में प्रयोग

प्रश्न क्र. - (12)

(i) मुझे घर जाना है।
(ii) अमिताभ की ऊँचाई जया की ऊँचाई से अधिक है।

प्रश्न क्र. - (13) अथवा

(i) सूचना - अधिसूचना [अधि - उपसर्ग]
(ii) यंत्री - उपयंत्री [उप - उपसर्ग]
(iii) प्रेषण - संप्रेषण [सम् - उपसर्ग]
(iv) बालिग - नाबालिग [ना - उपसर्ग]

प्रश्न क्र. - (14) अथवा

(i) राजेश नास्तिक नहीं है।
(ii) बालक रो रहा और वह चुप हो गया।

प्रश्न क्र. — (15) अथवा

(i) गले का हार
अर्थ – बहुत प्यारा होना
वाक्य – वह किताब राम के गले का हार है।

(ii) बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद
अर्थ – मुर्ख व्यक्ति को कीमति वस्तु का मोल नहीं पता होता।

वाक्य – मोहन को कला का ज्ञान नहीं, उसने उस कीमति चित्र को व्यर्थ कहकर फेंक दिया। उस पर यह कहावत चरितार्थ होती है कि बन्दर क्या जाने अदरक का स्वाद।

प्रश्न क्र. — (16)

उ. कवि ने कहा है कि सच्चा मित्र वो है जो संकट के समय अपने मित्र का साथ दे। उसे सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे। सच्चा मित्र अपने वो है जो अपने मित्र को उसकी गलतियों से अवगत कराये साथ ही उसे सुधारने में उसकी मदद करें। सच्चा मित्र अपने मित्र का हर परिस्थिति में साथ देता है। उसे गलत संगति से बचाये और व्यसन (बुरी आदतों) को उससे दूर रखे।

प्रश्न क्र.

सच्चा मित्र अपने मित्र की सहायता के लिए हमेशा अग्रसर रहता है। वह हर विषम परिस्थितियों का सामना करने में उसे अपने मित्र की मदद करता है। कितना भी बड़ा संकट या मुसीबत क्यों न हो सच्चा मित्र कभी अपने मित्र का साथ नहीं छोड़ता।

प्रश्न क्र. - (17) अथवा

उ. कवि के अनुसार यदि कोई सिंहनी से उसका शिशु छिनने का प्रयास करता है तो सिंहनी तुरंत ही उस पर आक्रमण कर देती है। सिंहनी की दहाड़ सुनते ही आक्रमणकारी डरकर भाग जाता है।

परन्तु मेषमाता से यदि कोई उसका शिशु छिनता है तो तो मेषमाता स्वयं को असहाय महसूस कर आँसू बहाती है। वह अपने शिशु की रक्षा नहीं कर पाती और वह अपने जन्म पर और भाग्य पर आँसू बहाती है।

प्रश्न क्र. - (18)

उ. कवि ने हिमालय से हमारे कई संबंध बताए है जिनमें से तीन निम्नलिखित है_

प्रश्न क्र.

1. जिस तरह हिमालय अडिग, अविचल एवं स्थिर है उसी तरह भारतवासी भी अडिग और अविचल है।

2. हिमालय में तुफान रोकने की शक्ति है उसी प्रकार भारतवासी और भारतीय सैनिक भी देश पर आने वाले तुफान अर्थात मुसीबत को रोक देते है।

हिमालय पर सुबह और शाम का दृश्य समान होता है, वैसे ही भारतवासी भी सुख और दुख को समान भाव से ग्रहण करते है।

S

E

प्रश्न क्र. — (19) अथवा

3. लेखक के अनुसार पश्चिम शरीर बल का उपासक है और भारत आत्मबल का। दोनों ही बल अपने-अपने समय में और क्षेत्रों में खुब फूले-फूले। परन्तु आत्मबल शरीर बल की अपेक्षा ज्यादा समृद्धशाली है। आत्मबल से शरीर-बल पर विजय प्राप्त की जा सकती है। गौतम बुद्ध ने आत्मबल को ही श्रेष्ठ माना और देश में इसका महत्व सिद्ध किया। परन्तु विश्व के विशाल प्रांगण में अभी इसकी श्रेष्ठता सिद्ध होना बाकी थी कि गांधीजी का

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

जन्म हुआ और उन्होंने अहिंसा का सहारा लिया और आत्मबल को श्रेष्ठता दी।

इसलिए पश्चिम और भारत में अंतर है क्योंकि पश्चिम शरीर-बल का उपासक है और भारत आत्म बल का।

प्रश्न क्र. - (20) अथवा

उ. तीनों बच्चों की वेशभूषा अत्यंत दयनीय थी। तीनों बच्चों के कपड़े फटे हुए थे। उनके वे बहुत दिनों से नहाये नहीं थे जिससे की उनके शरीर पर मैल की परत जम गई थी। बिना माँ-बाप की स्थिति में वे ~~अना~~ अनाथ थे। उनके पास रहने के लिए घर नहीं था साथ ही वे भूख से व्याकुल थे।

लेखिका को सबसे छोटे बच्चे पर दया आई क्योंकि वह पाँच-छह साल का था। आँसू से मैल की परत धुल गई थी जिससे उसके निशान ~~बन~~ बन गए थे। बाल में न जाने कब से तेल नहीं डला था जिससे वे सुख गए थे। बच्चे की दयनीय स्थिति देखकर लेखिका को उस पर दया आ गई।

(12) [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 12 क अंक कुल अंक

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. – (21) अथवा

उ. हंसिनी ने राजकाज प्रजा को सौंपने के लिए ~~क~~ कहा कि प्रजा में से ही राजा चुना जाए। उसने योजना बनाई कि प्रजा अपने कुछ प्रतिनिधि चुन लें और वे सभी प्रतिनिधि मिलकर राजा का चुनाव करें। मंत्रीजी ~~ने~~ ने हंसिनी के अनुसार ही राजा चुना जिससे की राजा के रूप में प्रजा को उसका मुखिया मिल गया। पूर्व राजा का कोई उत्तराधिकारी न होने पर राजा चुनने में जो कठिनाई थी वो हंसिनी के सुझाव से दूर हो गई। प्रजा को इसका फायदा मिला और वो और सुखी हो गई।

B
S
E

प्रश्न क्र. – (22)

उ. शिवाजी अपनी चतुरंगिनी सेना अर्थात् अश्व सेना, गज सेना, रथ सेना तथा पैदल सिपाही लेकर और अस्त्र-शस्त्र से सुसज्जित होकर युद्ध के लिए प्रस्थान करते है। सेना के प्रस्थान के समय ज़ोर-ज़ोर से नगाड़े बजाये जाते है। हाथियों के गंडस्थल से मद स्त्रावित हो रहा है जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो

(13) + =

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 13 के अंक कु.

प्रश्न क्र.

नदी और झरने उफान पर हो। हाथियों की धक्का-मुक्की से ऐसा लग रहा है जैसे पहाड़ उखड़ आए हो। सैना के चलने से धरती हिलने लगती है। समुद्र भी हिलने लगता है। यह दृश्य थाली में रखे पारे के हिलने के समान प्रतीत हो रहा है। शिवाजी की सेना धरती के चप्पे-चप्पे पर छा जाती है। सैनिकों के पैरों से उड़ने वाली धूल सूर्य भी तारे के समान छोटा और धूँधला दिखाई पड़ रहा है।

B
S
E

प्रश्न क्र. - (23) अथवा

उ. पुस्तकों के जलने से हमें बहुत हानि हुई है। कई लेखकों / कवियों की मेहनत पुस्तकों के साथ नष्ट हो गई। कई पुराने ग्रंथ और धार्मिक किताबें जल गई। पुस्तकें विश्व की धरोहर है इनका जलना विश्व धरोहर के जलने के समान है। कई लेखकों ने रातों में जागकर किताबों की रचना की जो आग के साथ नष्ट हो गई। उनकी रातों की नींद व्यर्थ हो गई। कई शोध कार्य जो सालों की मेहनत का फल था, वो भी नष्ट हो गया। वैज्ञानिकों की सालों की मेहनत व्यर्थ चली गई। कई मुल्यवान ग्रंथों एवं पुस्तकों

प्रश्न क्र.

का नाश हो गया। कवियों रचना व्यर्थ हो गई। पुस्तकों के साथ हमारा इतिहास और भी जल गया। कई ऐसी पुस्तकें जो हमारे इतिहास और विकास की व्याख्या करती थीं वे सभी नष्ट हो गई। पुस्तकों का जलना हमारी विश्व धरोहर का जलना है।

प्रश्न क्र. (24)

B S E

संदर्भ - प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक मकरंद भाग - 2 के पाठ - 1 - 'सूर के बालकृष्ण' से उद्धृत की गई है। इसके रचयिता 'सूरदास' है।

प्रसंग - प्रस्तुत पंक्तियों में माँ यशोदा एक पथिक द्वारा कृष्ण की वास्तविक माँ देवकी को संदेश भेजती है।

व्याख्या - कवि के अनुसार प्रस्तुत पंक्तियों में माँ यशोदा कहती हैं कि मेरा यह संदेश देवकी तक पहुँचा देना। वे पथिक द्वारा संदेश भेजती हैं वे कहती हैं कि देवकी ही कृष्ण की वास्तविक माँ है। यशोदा ने सिर्फ कृष्ण का पालन - पोषण किया है अर्थात वे तो उनकी ~~धाय~~ धाय है। यशोदा जी कहती है कि तुम कृष्ण को जानती हो, उनकी रुचियों को जानती हो परन्तु मन

प्रश्न क्र. नहीं मान रहा है इसलिए कह रही हूँ कि कृष्ण को ~~सुबह~~ सुबह उठते ही माखन - रोटी खाना पसंद है। ~~क~~ माँ यशोदा, देवकी को कृष्ण की रुचियों के बारे में बताती है।

प्रश्न क्र. 25

1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है - ~~'भारत देश की विविधता में एकता'~~ 'मेरे सपनों का भारत'

2. उपर्युक्त गद्यांश में कहा गया है कि भारत में सभी को समानता का व्यवहार मिलेगा। यहाँ देश के दुश्मनों के लिए जगह नहीं है। भारत की राष्ट्रभाषा हिन्दी होगी और प्रादेशिक भाषाओं की भी उन्नति होगी। देश पर आक्रमण करने वालो से हम कड़ा मुकाबला करेंगे।

3. मेरे सपनों के भारत में सभी लोगों के साथ समानता का व्यवहार ~~किया जायेगा।~~ करने की अपेक्षा की गई है।

4. 'उन्नति' का पर्यायवाची है - 'प्रगति'।

5. 'ईंट से ईंट बजा देना' का अर्थ है - 'कड़ा मु ला करना'।

[+] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ　　अंक　　कुल अंक

प्रश्न क्र. प्रश्न क्र. - (26)

1. उपर्युक्त पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है - 'भारतवासियों की विविधता में एकता'।

2. उपर्युक्त पद्यांश में अनेकता में एकता रखने की बात कही गई है। कवि कहते हैं कि भले ही हमारी संस्कृति अलग है परन्तु फिर भी हम एक ही है अर्थात् हमारी मंजिल एक ही है। हमें यह एकता तोड़नी नहीं है।

B

S 3. जब अलग - अलग विचार और आस्थाएँ आपस में टकराने लगती है, तो विचारों में मैलापन आ जाते है जाता है।

E

4. 'आस्था' का विलोम है - 'अनास्था'।

5. हम मिल - जुलकर सभी प्रकार के रास्तों को आसान बना सकते हैं। हर रास्ते को आसान बनाने के लिए हमें एकता बनाये रखनी है।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 17 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. – 27

78/5 सेक्टर – डी
सुदामा नगर
इन्दौर (म.प्र.)

दिनांक – 09/03/19

प्रिय मित्र,
मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा करती

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - 27

123 - सेक्टर डी
अवस नगर
इन्दौर (म.प्र.)

प्रिय मित्र,

मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा करती हूँ कि तुम भी वहाँ कुशल होगी। तुम्हारे पत्र द्वारा यह ज्ञात हुआ कि तुम हायर सेकण्डरी परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई हो। तुम्हारी इस उपलब्धि के लिए तुम्हें बहुत - बहुत बधाई। मैं तुम्हारी इस उपलब्धि से अत्यंत प्रसन्न हूँ। आशा करती हूँ कि तुम भविष्य में भी इसी तरह मेहनत और लगन से पढ़ाई करके अपने विद्यालय और माता - पिता का नाम रोशन करोगी।

तुम्हारे माता - पिता को चरण स्पर्श एवं छोटों को प्यार।

तुम्हारे उज्जवल भविष्य की कामना के साथ।

तुम्हारी मित्र
करुणा

BSE

(19) योग पूर्व पृष्ठ + पृ... अंक = कुल अक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. – (24)

(ब) (i) विद्यार्थी जीवन और अनुशासन

रूपरेखा –

1. प्रस्तावना
2. अनुशासन की आवश्यकता (महत्व)
3. विद्यार्थी जीवन में अनुशासन
4. प्राचीन काल के विद्यार्थी
5. आधुनिक काल के विद्यार्थी
6. अनुशासनहीनता की समस्या
7. विद्यार्थी को अनुशासन में रखने के उपाय
8. उपसंहार

(अ) (ii) भारतीय समाज में नारी का स्थान

रूपरेखा –

1. प्रस्तावना
~~2. नारी की भूमिका~~
2. प्राचीन काल में नारी का स्थान
3. आधुनिक काल में नारी का स्थान
4. ~~नी~~ नारी पर किये जाने वाले अत्याचार
~~5. नारी की सुरक्षा में सरकार की भूमिका~~
~~उपसंहार~~
5. राष्ट्र निर्माण में नारी का योगदान
6. नारी की सुरक्षा में सरकार की भूमिका
7. उपसंहार

प्रश्न क.

"नारी है तो जीवन है।"

1. प्रस्तावना –

नारी भारतीय समाज में नारी को पुरुषों की तुलना में आज भी कमतर माना जाता है। नारी की राष्ट्र निर्माण से लेकर हर क्षेत्र में अहम भूमिका है परन्तु उसी नारी का आज समाज में कोई स्थान नहीं है।

2. प्राचीन काल में नारी का स्थान –

प्राचीन काल में नारी को कमतर माना गया। उन्हें हमेशा ~~घू~~ परदे के पीछे ~~रख~~ रखा गया। प्राचीन काल में सती प्रथा भी नारी के प्रति अन्याय ही थी। प्राचीन काल में कई विरांगनाओं ने ~~नारी के कि~~ वीरता दिखाई और स्वयं को सिद्ध किया। परन्तु वे नारी को पुरुषों के समान स्थान पर नहीं ला पाई।

3. आधुनिक काल में नारी का स्थान –

आज के युग में नारियों ने अपने स्थान और राष्ट्र में उनके महत्व को सिद्ध किया है। प्राचीन काल की रूढ़ियों को जर्जर किया और प्राचीन

प्रश्न क्र.

काल में बनाई हुई नारी के लिए बनाई हुई सीमा को लाँघकर अपना स्थान बनाया है। आज की नारी पुरुषों की बराबरी से कार्य कर रही हैं।

4. नारी पर किये जाने वाले अत्याचार -

आज के युग में भी कुछ रूढ़िवादी लोग ~~नारि~~ नारियों पर अत्याचार कर रहे हैं। वे अपनी पुरानी परम्पराओं और मान्यताओं के चलते नारी को प्रताड़ित कर रहे हैं। नारी पर होने वाले अत्याचार इस प्रकार है -

(i) दहेज प्रथा के चलते नारियों को प्रताड़ित करना उनके साथ मार-पीट करना आदि अत्याचार के मामले सबसे अधिक है।

(ii) नारियों का यौन शोषण भी किया जा रहा है।

ऐसे और भी कई अत्याचार ~~नारि~~ नारियों के साथ किये जा रहे है।

5. राष्ट्र निर्माण में नारी का योगदान -

आज के आधुनिक युग में नारी ने पुरुषों की बराबरी से राष्ट्र के निर्माण में अपनी अहम भूमिका ~~निभाई~~

कुल अंक

निभायी है। हर क्षेत्र में महिलाओं ने कई उपलब्धियाँ हासिल की है। खेल में भी सानिया मिर्ज़ा, साइना नेहवाल, मेरी कॉम जैसी खिलाड़ियों ने देश का नाम रोशन किया है। भारतीय सैनिकों में भी नारियाँ अपना योगदान दे रही हैं। पुरुष प्रधान क्षेत्र में भी महिलाएँ अपनी तेजस्विता प्रकट कर रहीं हैं।

6. नारी की सुरक्षा में सरकार की भूमिका –

सरकार ने भी नारी को महत्व देते हुए उनकी सुरक्षा के लिए कई सारे नियम व नीतियाँ बनाई है। ~~कम्प्यु~~ मोबाइल में 'एप्स' के द्वारा महिलाएँ अपनी 'लोकेशन' सरकारी दफ्तरों में भेज सकती है जिससे जरूरत पड़ने पर सरकार जल्द से जल्द उनकी मदद करगी। सरकार ने 'हेल्पलाइन नं.' भी महिलाओं की सुरक्षा के लिए जारी किए है।

7. उपसंहार –

आज के युग में नारी का योगदान महत्वपूर्ण है। भारतीय समाज में नारी को उच्च स्थान प्रदान करने की आवश्यकता है। नारियों की सुरक्षा करना, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित

23

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

करना और इन्हें भारतीय समाज स्थान देना हमारा धार्मि॰ दायित्व है।

B
S
E